✺ 28 जून 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] अभी तुम गोरा बनने के लिए कंगन बांधते हो इसलिए गोरा बनने वाले शिवबाबा को याद करते हो।

2] भ्रकुटी के बीच आत्मा रहती है। अकाल आत्मा का यह तख्त है, जो आत्मा हमारे बच्चे हैं, वह इस तख्त पर बैठे हैं। खुद आत्मा तमोप्रधान है तो तख्त भी तमोप्रधान है।

3] ऐसा लक्ष्मी-नारायण बनना कोई मासी का घर नहीं है। अभी तुम समझते हो हम इन जैसा बन रहे हैं। आत्मा पवित्र बनकर ही जायेगी। फिर देवी-देवता कहलायेंगे। हम ऐसे स्वर्ग के मालिक बनते हैं।

4] रघुनाथ मन्दिर में राम को काला बनाया है– क्यों? किसको पता नहीं। बात कितनी छोटीहै। राम तो है त्रेता का। थोडा-सा फर्क हो जाता है 2 कला कम हुई ना। बाबा समझाते हैं शुरू मं यह थे सतोप्रधान खूबसूरत। प्रजा भी सतोप्रधान बन जाती है परन्तु सजायें खाकर बनती है। जितनी जास्ती सज़ा, उतना पद भी कम हो जाता है। मेहनत नहीं करते तो पाप कटते नहीं। पद कम हो जाता है।

5] जिसने जितना याद किया होगा, दैवीगुण धारण किया होगा, उनकी ही जोड़ी बनेगी। जैसे देखो ब्रह्मा-सरस्वती ने अच्छा पुरूषार्थ किया है तो जोड़ी बनती हैं। यह बहुत अच्छी सर्विस करते हैं, याद में रहते हैं, यह भी गुण है ना।

6] बाप कहते हैं अब टाइम बहुत थोड़ा रहा है। इन आंखों से तुम विनाश देखेंगे। जब रिहर्सल होगी तो तुम देखेंगे ऐसा विनाश होगा। इन आंखों से भी बहुत देखेंगे। बहुतों को वैकुण्ठ का भी साक्षात्कार होगा। यह सब जल्दी-जल्दी होते रहेंगे। ज्ञान मार्ग में सब है रीय, भक्ति में है इमीटेशन। सिर्फ साक्षात्कार किया, बना थोड़ेही। तुम तो बनते हो। जो साक्षात्कार किया है फिर इन आंखों से देखेंगे।

✺ योग-

1] मामेकम् याद कर प्योर हो जायें। आत्मा को याद करना है बाप को। बाप भी बच्चों को देख-देख हर्षित होते हैं। तुम बच्चे भी बाप को देख-देख समझते हो पवित्र न जायें। तो फिर हम ऐसे लक्ष्मी-नारायण बनेंगे।

2] याद से ही पाप भस्म होंगे, और कोई उपाय नहीं।

3] जितना बाप को याद करेंगे उतना विजयी बनेंगे। एम ऑबजेक्ट है ही ऐसा बनने के लिए।

✺ धारणा-

1] मीठे बच्चे– मायाजीत बनने के लिए गफ़लत करना छोड़ो, दु:ख देना और दु:ख लेना- यह बहुत बड़ी गफ़लत है, जो तुम बच्चों को नहीं करनी चाहिए।

2] जब तक भगवान् की श्रीमत न लेवें, कुछ भी समझ न सकें। तुम बच्चे अब श्रीमत ले रहे हो। यह अच्छी रीति बुद्धि में रखो कि हम शिवबाबा की मत पर बाबा को याद करते-करते यह बन रहे हैं।

3] अभी तुम बच्चों का यह टाइम मोस्ट वैल्युबुल है। पुरूषार्थ करना चाहिए पूरा, हमको ऐसा बनना है। जरूर बाप ने कहा है सिर्फ मुझे याद करो और दैवीगुर भी धारण करने हैं। किसको भी दु:ख नहीं देना है। बाप कहते हैं– बच्चों, अब ऐसी गफलत मत करो। बुद्धियोग एक बाप से लगाओ। तुमने प्रतिज्ञा की थी हम आप पर वारी जायेंगे।

4] बाप कहते हैं नाम-रूप में नहीं फँसो। मेरे में फंसो ना। जैसे तुम निराकार हो, मैं भी निराकार हूँ। तुमको आप समान बनाता हूँ। टीचर आप समान बनायेंगे ना। सर्जन, सर्जन बनायेंगे।

5] जितना जो पुरूषार्थ करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। समझाते तो बहुत हैं, भगवान् कहता है यह काम कटारी न चलाओ। काम को जीतने से जगतजीत बनना है। आखरीन में कोई को तीर लगेगा जरूर।

6] संगम पर ऐसा सोच समझकर संकल्प वा कर्म करो जो कभी मन में भी, एक सेकण्ड भी पश्चाताप न हो, तब कहेंगे ज्ञानी तू आत्मा।

✺ सेवा-

1] तुम्हारे पास बैज भी है। इस पर समझाना बहुत सहज है। यह है त्रिमूर्ति।